www.sgbauonline.com

AR–299

B.A. (Part-II) Examination

HINDI (Literature)

Optional Subject

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

नोट :—सभी प्रश्न हल करें।

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :—

(अ) दीपक के जलने में आली,
फिर भी है जीवन की लाली,
किन्तु पतंग-भाग्य लिपी काली,
किसका वश चलता है ?
दोनों ओर प्रेम पलता है।
जगती वणिग्वृत्ति है रखती
उसे चाहती जिससे चखती;
काम नहीं; परिणाम निरखती
मुझे वही खलता है।
दोनों ओर प्रेम पलता है।

अथवा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा,
    लो यह लतिका भी भर लाई—
    मधु मुकुल नवल रस गागरी।
अधरों में राग अमंद पिए,
अलकों में मलयज बंद किए
    तू अब तक सोई है आली।
    आँखों में भरे बिहाग री !

(आ) किन्तु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के
किन्तु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे प्लवन होगा, ढहेंगे। बह जायेंगे।
और फिर हम चूर्ण हो कर भी कभी क्या धार बन सकते ?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनायेंगे।

अथवा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

जबकि असलियत यह है कि आग
सबको जलाती है सच्चाई
सबसे होकर गुज़रती है
कुछ हैं जिन्हें शब्द मिल चुके हैं
कुछ हैं जो अक्षरों के आगे अंधे हैं
वे हर अन्याय को चुपचाप सहते हैं
और पेट की आग से डरते हैं
जबकि मैं जानता हूँ कि 'इनकार से भरी हुई एक 'चीख'
और 'एक समझदार चुप'
दोनों का मतलब एक है। 20

2. प्रस्तुत गद्यांश की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :—

जीवन के आदि और उत्कर्ष के बीच एक और सीढ़ी है — जीवन का पुरुषार्थ। अपराध क्षमा हो आचार्य, आपकी कला उस पुरुषार्थ को भूल गयी है। जब मैं इन मूर्तियों में बँधे रसिक जोड़ों को देखता हूँ तो मुझे याद आती है पसीने में नहाते हुए किसान की, कोसों तक धारा के विरुद्ध नौका को खेने वाले मल्लाह की, दिन-दिन भर कुल्हाड़ी लेकर खटने वाले लकड़-हारे की ! ... इनके बिना जीवन अधूरा है, आचार्य !

अथवा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

बारह बरस तक दत्तचित्त हो मैंने तुम्हारे योग्य यह अभूतपूर्व गृह तैयार किया। आज जब उस लगन और तपस्या के बाद तुम्हारी उपासना का अवसर आया, तो तुम्हारे शिल्पी को ठुकराने वाले, उनके निर्दोष रक्त में रंगे हाथ तुम्हें अपनाने आ रहे हैं। भगवान, मैं यह कैसे सह सकता हूँ ? तुम, मेरे, सारे जगत के, प्रतिपालक हो, पर मैं यह कैसे भूल सकता हूँ कि मैं तुम्हारा निर्माता हूँ। 10

3. हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित 'जो बीत गई' कविता के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निराला जी की काव्यगत विशेषताएं लिखिए। 10

4. जगदीशचन्द्र माथुर कृत 'कोणार्क' नाटक की कथावस्तु संक्षिप्त में लिखिए।

अथवा

'कोणार्क' नाटक के युवाशिल्पी धर्मपद का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

5. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :—

(क) 'स्ट्राईक' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'प्रतिशोध' एकांकी का संदेश श्रीधर के माध्यम से दिया गया है। स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का उद्देश्य लिखिए।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(घ) छीतरमल की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

(ङ) 'शारदा' के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(च) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के व्यंग्यार्थ की विवेचना कीजिए।

(छ) 'शैलेन्द' की स्वभावगत विशेषताओं का परिचय दीजिए। 20

6. भक्तिकाल की सगुण शाखा की प्रमुख प्रवृतियाँ लिखिए।

अथवा

आदिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ लिखिये। 10

7. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर नीचे दिये गये निर्देशानुसार दीजिए :—

(क) काव्य कलश से :—

(1) मैथिलीशरण गुप्त के पिता का नाम ——— था।

(हरिचरण, रामचरण, शिवचरण)

(2) ——— छायावादी युग का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य है।

(मानस, कामायनी, साकेत)

(3) निरालाजी का पूरा नाम लिखिए।

(4) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।

(5) 'धूमिल' का साहित्य वस्तुतः समाज के ——— वर्गों की संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का साहित्य है।

(उच्च, मध्य, निम्न)

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ख) कोणार्क से :—

(1) चालुक्य के दूत का नाम ——— है।

(राजीव, सोमदत्त, शैवालिक)

(2) कोणार्क मंदिर पुरी से ——— मील की दूरी पर है। (18, 19, 20)

(3) नरसिंहदेव का रहस्याधिकारी ——— है।
(राजीव, महेन्द्रवर्मन, चालुक्य)

(4) जाने किस अदृश्य शक्ति नें मुझे शिल्प-कला सिखा दी है। (यह कथन किसका है)

(5) एक-एक शिल्पी उसे देखकर पाँच-पाँच सैनिकों के तुल्य हो गया।

(यह कथन किसके लिये कहा गया है)

(ग) कलापूर्ण एकांकी से :—

(1) 'और वह न जा सकी' एकांकी के लेखक ——— हैं। (उदयशंकर भट्‌ट, जगदीश चन्द्र माथुर, विष्णु प्रभाकर)

(2) डॉ. रामकुमार वर्मा लिखित 'प्रतिशोध' एकांकी का प्रमुख पात्र है। (भारवि, श्रीधर, श्रीचन्द)

(3) आइये, मेरे होटल में आइये, आपकी फैक्ट्री में तो आज स्ट्राईक हो गयी। (यह कथन किसका है)

(4) छीतरमल किस एकांकी का पात्र है ?

(5) क्या वे भेड़ बकरियां हैं जिन्हें कसाई अच्छी तरह देख-भालकर खरीदते हैं

(यह कथन किस एकांकी का है)

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(घ) हिन्दी साहित्य के इतिहास से :—

(1) तुलसीदासजी के उत्कृष्ट महाकाव्य का नाम लिखिए।

(2) मीरा के गुरू का नाम ——— है।

(रामानंद, रैदास, वल्लभाचार्य)

(3) वीरगाथाकाल का साहित्य ——— भाषा में लिखा गया है। (पिंगल, डिंगल, ब्रज)

(4) बिहारी ने कुल ——— दोहे लिखे हैं।

(713, 714, 715)

(5) सूर सागर ——— प्रेमियों का खजाना है।

(गीत, संगीत, प्रगीत)

20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com